केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय:
बौद्धदर्शनपालिविद्याशाखा
एम.ए. (M.A.) पालि-द्वितीयवर्षस्य पाठ्यक्रम:

कक्षा	सत्रार्धम्	पत्रसङ्केत:	पाठ्यक्रमविवरणम्	क्रेडिट	यूनिट	होरा
एम.ए. द्वितीयवर्षम्	तृतीयसत्रार्धम्	DSCC 24	आधारग्रन्थ:- सुत्तनिपात (उरगवग्गो चुळवग्गो च), प्रकाशकः- पालि- अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2012			
			उरगसुत्तं, धनियसुत्तं,	1	1	16-20
			खग्गविसाणसुत्तं, रतनसुत्तं	1	1	16-20
			कसिभारद्वाजसुत्तं, पराभवसुत्तं	1	1	16-20
			वसलसुत्तं, मेत्तसुत्तं,	1	1	16-20
		DSCC 25	आधारग्रन्थ:- धम्मसङ्गणिपालि (निक्खेपकण्डं अभिधम्ममातिका), सम्पादक- भिक्खु जगदीसकस्सपो, प्रकाशक- नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, विहार, 2017			
			तिकानि, हेतुगोच्छकं,	1	1	16-20
			आसवगोच्छकं, सञ्ञोजनगोच्छकं,	1	1	16-20
			गन्थगोच्छकं, ओघगोच्छकं, योगगोच्छकं, नीवरणगोच्छकं	1	1	16-20
			परामासगोच्छकं, उपादानगोच्छकं, किलेसगोच्छकं, पिट्ठिदुकं	1	1	16-20
		DSCC 26	आधारग्रन्थ:- बुद्धघोसाचरियविरचितो विसुद्धिमग्गो (सीलनिद्देसो), संपादक- स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, प्रकाशक- बौद्धभारती, वाराणसी, 2018			
			निदानादिकथा, सीलसरूपं, केनट्ठेन सीलं, सीलस्स लक्खनादीनि, सीलनिसंसं, सीलप्पभेदो,	1	1	16-20
			पातिमोक्खसंवरसीलं, इन्द्रियसंवरसीलं, आजीवपारिसद्धिसीलं, पच्चयसन्निस्सितसीलं	1	1	16-20
			पातिमोक्खसंवरसुद्धिसम्पादनविधि, इन्द्रियसंवरसुद्धिसम्पादनविधि, आजीवपारिसुद्धिसम्पादनविधि, पच्चयसन्निस्सितसीलसम्पादनविधि,	1	1	16-20
			परियन्तपारिसुद्धिसीलं, अपरियन्तपारिसुद्धिसीलं, परिपुण्णपारिसुद्धिसीलं, अपरामट्ठपारिसुद्धिसीलं, पटिप्पस्सद्धिपारिसुद्धिसीलं,	1	1	16-20

		DSCC 27	आधारग्रन्थः- 1. महासामिधम्मकीत्तिप्पणीतं बालावतारं (सन्धिप्पकरणं, नामप्पकरणं), सम्पादको- स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, प्रकाशकः- बौद्धभारती, वाराणसी, 2007			
			सञ्ञापकरणं, सरसन्धि,	1	1	16-20
			ब्यञ्जनसन्धि, निग्गहीतसन्धि, बोमिस्सकसन्धि,	1	1	16-20
			नामप्पकरणे पुल्लिङ्गसद्दा,	1	1	16-20
			नामप्पकरणे इत्थीलिङ्गसद्दा, नामप्पकरणे नपुंसकलिङ्गसद्दा, नामप्पकरणे सब्बनामिकसद्दा, नामप्पकरणे सङ्खासद्दा	1	1	16-20
	चतुर्थसत्रार्धम्	DSCC 28	आधारग्रन्थः- **थेरगाथापालि एवं थेरीगाथापालि,** प्रकाशकः- पालि- अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2012			
			थेरगाथाय परिचयो, काळुदायिथेरगाथा, अंगुलिमालथेरगाथा, आनन्दथेरगाथा	1	1	16-20
			महाकच्चायनत्थेरगाथा, सुनीतत्थेरगाथा, अञ्ञासिकोण्डञ्ञत्थेरगाथा	1	1	16-20
			अम्बपालिथेरीगाथा, महापजापतिथेरीगाथा, उप्पलवण्णाथेरीगाथा, पटाचाराथेरीगाथा,	1	1	16-20
			किसागोतमीथेरीगाथा, खेमाथेरीगाथा, सुजाताथेरीगाथा,	1	1	16-20
		DSCC 29	आधारग्रन्थः- 1. संयुत्तनिकायपालि (सगाथवग्गो, निदानवग्गो, खन्धकवग्गो) , प्रकाशकः- पालि- अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2012			
			1. सुत्तपिटकस्स परिचयो 2. संयुत्तनिकायस्स परिचयो	1	1	16-20
			1. सगाथवग्गे देवतासंयुत्ते (जटासुत्तं, मच्छरिसुत्तं, मित्तसुत्तं, कविसुत्तं) 2. कोसलसंयुत्ते पियसुत्तं, मल्लिकासुत्तं यञ्ञसुत्तं)	1	1	16-20
			1. बुद्धवग्गे पटिच्चसमुप्पादसुत्तं 2. आहारवग्गे आहारसुत्तं 3. महावग्गे पठम-अस्सुतवासुत्तं, 4. अभिसमयसंयुत्ते- नखसिखासुत्तं 5. धातुसंयुत्ते चङ्कमसुत्तं	1	1	16-20
			1. भारवग्गे भारसुत्तं 2. उपयवग्गे उपादानपरिवत्तसुत्तं , अनत्तलक्खणसुत्तं च	1	1	16-20

		DSCC30	आधारग्रन्थः -अनुरुद्धाचारियप्पणीतो अभिधम्मत्थसङ्गहो (चेतसिकङ्गहविभागो नाम दुतीयो परिच्छेदो), सम्पादको प्रो. रामशङ्कर त्रिपाठी, प्रकाशक- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2016			
			चेतसिकानां चतुब्बिधसम्पयोगलक्खणानि, अञ्ञसमानचेतसिका, पकिण्णचेतसिका, अकुशलचेतसिका	1	1	16-20
			सोभनचेतसिका, सोभनसाधारणा, विरतियो चेतसिका, अप्पमञ्ञादयो, द्विपञ्ञास-चेतसिकसम्बन्धिता सङ्गहगाथा	1	1	16-20
			अञ्ञसमानचेतसिक-सम्पयोगनयो, सब्बचित्तसाधारण-सम्पयोगनयो, पकिण्णक-सम्पयोगनयो, अकुसलचेतसिक-सम्पयोगनयो, सोभनचेतसिक-सम्पयोगनयो,	1	1	16-20
			नियतानियतभेदो, सङ्गहनयो, सङ्गहचित्तसङ्गहनयो, लोकुत्तरचित्त-सङ्गहनयो, महग्गतचित्त-सङ्गहनयो, कामावचरसोभनचित्त-सङ्गहनयो, अकुसलचित्तसङ्गहनयो,	1	1	16-20

केन्दीयसक्कतविस्सविज्जालयो (Central Sanskrit University)

बोद्धदस्सनपालिविज्जासाखा (Dept. of Bauddhadarshan& Pali)

एम.ए. (पालि) पठमवस्सस्स पाठचरिया (Syllabus of M.A. Pali 1st Year)

एम.ए. (पालि) प्रथम वर्ष (प्रथम सत्रार्द्ध)

ECA 1 - पालि वाङ्मय का इतिहास
(पालि तिपिटक एवं अनुपिटक साहित्य)

क्रेडिट - 4 (प्रत्येक क्रेडिट 16-20 घण्टे)

क्रेडिट 1 - पालि तिपिटक का परिचय

- तिपिटक की संरचना :- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक।
- तिपिटक का रचनाकाल और संकलन।
- छः बौद्ध संगीतियों की बुद्धवाणी के संरक्षण में भूमिका।
- तिपिटक का बौद्ध धर्म में महत्व।

क्रेडिट 2 - विनय पिटक

- विनय पिटक का परिचय एवं उसके ग्रन्थ।
- विनय पिटक के वस्तु विधान का संक्षिप्त परिचय :- सुत्त-विभंग, खन्धक, परिवार।
- भिक्खु और भिक्खुनी नियम।
- विनय पिटक का नैतिक और सामाजिक महत्व।

क्रेडिट 3 - सुत्त पिटक और अनुपिटक साहित्य

- सुत्त पिटक का परिचय एवं निकाय :- दीघ निकाय, मज्झिम निकाय, संयुत्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय।
- अनुपिटक साहित्य का परिचय एवं ग्रन्थ :- पेटकोपदेस, मिलिन्दपञ्हो, नेत्तिप्पकरण।
- सुत्त पिटक की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व।
- अनुपिटक का महत्व।

Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002

अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Bauddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

क्रेडिट 4 - अभिधम्म पिटक

- अभिधम्म शब्द परिचय, उद्भव एवं बुद्धवचनत्व।
- अभिधम्म पिटक का परिचय एवं उसके ग्रन्थ।
- अभिधम्म पिटक के ग्रन्थों का परिचय - धम्मसंगणि, विभंग, धातुकथा, पुग्गलपञ्ञत्ति, कथावत्थु, यमक, पट्ठान।
- अभिधम्म पिटक का वर्तमानकालिक महत्त्व।

निर्धारित ग्रन्थ

मुख्य ग्रन्थ:

1. पालि साहित्य का इतिहास - भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2000
2. पालि भाषा और साहित्य - डॉ. राहुल सांकृत्यायन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
3. पालि साहित्य का इतिहास - भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2000

सहायक ग्रन्थ:

1. A History of Pali Literature - B.C. Law, Kashi Prasad Jayaswal Research Institute

---

Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002

अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभागाध्यक्ष
Dept. of Bauddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

केन्दीयसक्कतविस्सविज्जालयो (Central Sanskrit University)
बोद्धदस्सनपालिविज्जासाखा (Deptt. Of Bauddhadarshan& Pali)
एम.ए. (पालि) पठमवस्सस्स पाठचरिया (Syllabus of M.A. Pali 1st Year)

एम.ए. (पालि) द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्रार्द्ध)

ECA 2 - पालि वाङ्मय का इतिहास
(पिटकेतर पालि साहित्य)

क्रेडिट - 4 (प्रत्येक क्रेडिट 16-20 घण्टे)

क्रेडिट 1 - अट्ठकथा और टीका साहित्य
- अट्ठकथा साहित्य का परिचय एवं विवरण।
- आचार्य बुद्धघोष, आचार्य बुद्धदत्त और आचार्य धम्मपाल का योगदान; अन्य अट्ठकथाकार।
- टीका साहित्य का परिचय।
- अट्ठकथा एवं टीका साहित्य का महत्त्व।

क्रेडिट 2 - वंस साहित्य
- वंस साहित्य का परिचय।
- महावंस एवं दीपवंस का परिचय।
- सद्धम्मसंगहो का परिचय एवं महत्त्व।
- वंस साहित्य की विषयवस्तु एवं उनका सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्रोतों के रूप में महत्त्व।

क्रेडिट 3 - पालि काव्य, काव्यशास्त्र एवं छन्दःशास्त्र
- पालि काव्य साहित्य का परिचय एवं सर्वेक्षण।
- पालि छन्दःशास्त्र 'वुत्तोदय' एवं अलंकारशास्त्र 'सुबोधालंकार'।
- सद्धम्मोपायन का परिचय एवं वैशिष्ट्य।
- पालि का अभिलेख एवं पाण्डुलिपि साहित्य।

Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002

अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Bauddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

क्रेडिट 4 - पालि व्याकरणशास्त्रीय परम्परा

- पालि व्याकरणशास्त्रीय परम्परा का परिचय एवं विकासक्रम।
- कच्चायन व्याकरण एवं उसका उपकारी साहित्य।
- मोग्गलान व्याकरण एवं इस सम्प्रदाय के ग्रन्थ।
- सद्दनीति व्याकरण एवं इस सम्प्रदाय के ग्रन्थ।

निर्धारित

मुख्य ग्रन्थ:

1. पालि साहित्य का इतिहास - भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2000
2. पालि भाषा और साहित्य - डॉ. राहुल सांकृत्यायन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
3. पालि साहित्य का इतिहास - भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2000

सहायक ग्रन्थ:

2. A History of Pali Literature - B.C. Law, Kashi Prasad Jayaswal Research Institute

Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002

अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभागाध्यक्ष
Dept. of Bauddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus